आइआइएम रांची में 'डाटा लोकलाइजेशन और प्राइवेसी राइट्स' विषय पर परिचर्चा

आर्थिक वृद्धि के लिए इनोवेशन जरूरी

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

आइआइएम रांची में 'डाटा लोकलाइजेशन और प्राइवेसी राइट्स' विषय पर आयोजित परिचर्चा में अपनी बात रखते यूएस काउंसुलेट व मौजूद लोग.

किसी भी तरह के डाटा का आदान-प्रदान करने से ही उसे सुरक्षित रखा जा सकता है. इसे एक सेंटर पर जमा कर रखने से एक साथ सभी के नष्ट होने की संभावना है. टेक्नोलॉजी जैसे इंटरनेट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नेटवर्क आदि इसे विकसित करने में मदद करती है. सरकार डाटा का सही इस्तेमाल कर इनोवेशन और टेक्नोलॉजी दोनों को विकसित करने में मदद कर सकती है. यह वर्तमान समय की जरूरत है. युवाओं को इन विषयों की जानकारी रखनी होगी, इससे वे न केवल खुद का विकास कर सकते हैं, देश की आर्थिक वृद्धि में भी मदद कर सकते हैं. यह बातें गुरुवार को वाइस प्रेसिडेंट इनोवेशन टेक्नोलॉजी और इनोवेशन फाउंडेशन के निदेशक डेनियल कास्त्रो ने कहीं. वे आइआइएम रांची में 'डाटा लोकलाइजेशन और प्राइवेसी राइट्स' विषय पर आयोजित परिचर्चा में अपनी बातें रख रहे थे. इस अवसर पर यूएस काउंसुलेट के असिस्टेंट पब्लिक अफेयर अफसर क्रिश दास और यूएस काउंसुलेट की पब्लिक अफेयर स्पेशलिस्ट सइदा सायदा अजीम भी मौजूद रहीं.

आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस दे रहा बढ़ावा : कास्त्रो ने बताया कि वर्तमान समय में टेक्नोलॉजी से आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस (एआइ) को बढ़ावा देने का काम किया जा रहा है. यह विकास की गति को बढ़ावा दे रही है. कई देशों ने इस क्षेत्र में काम कर न केवल अपने देश का विकास किया है, देश की आर्थिक वृद्धि में भी मदद कर रहे हैं. एआइ के विकसित होने से ही लोग स्मार्ट वॉच, एलेक्सा, स्मार्ट टीवी जैसे उपकरणों को देख और इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि कई लोग इसे सुरक्षित न समझ कर खुद की धारणा बना रहे हैं. ऐसे लोगों की संख्या भारत में सबसे ज्यादा है. वहीं अन्य देश एआइ का इस्तेमाल कर खुद को विकसित कर रहे हैं.

आइटी की मदद से स्मार्ट सिटी संभव : डेनियल कास्त्रो ने बताया कि इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आइटी) की मदद से स्मार्ट सिटी तैयार करना आसान है. आइटी न केवल शहर की जानकारी रखने में मदद करेगी, स्वास्थ्य, खेती-किसानी और पशुपालन जैसे क्षेत्र को भी बढ़ावा दे सकती है. इस क्षेत्र में काम कर युवा खुद को इंटरप्रेन्योर (उद्यमी) बना सकते हैं. नये स्टार्टअप से न केवल रोजगार की संभावना बढ़ेगी, साथ ही समाज में सकारात्मक माहौल तैयार किया जा सकता है.

स्मार्टअप को दें बढ़ावा : यूएस काउंसुलेट ने कहा कि मैनेजमेंट के विद्यार्थियों को टेक्नोलॉजी और नये स्टार्टअप की जानकारी रखनी चाहिए. इससे नयी शुरुआत करने में मदद मिलेगी. उन्होंने 2017 के डाटा को पेश करते हुए बताया कि स्टार्टअप के क्षेत्र में चाइना सबसे आगे है, जबकि भारत में इसकी संख्या काफी कम है. यूएस टैलेंट को बढ़ावा देने, रिसर्च के क्षेत्र में, विकासशील देशों में और दूसरे के आइडिया को अपना कर विकसित करने में सबसे आगे है. इससे न केवल एक देश का विकास होता है, इसे अपनाने और प्रचलन में लानेवालों की भी आर्थिक वृद्धि होती है.

पॉलिसी बनाने में समीक्षा की जरूरत

परिचर्चा के दौरान डेनियल कास्त्रो ने कहा कि सरकार विकास की गति को बढ़ावा देते हुए नई पॉलिसी तैयार करती है. इसे तैयार करने में सबसे अहम योगदान लोगों का होता है. किसी भी नये इनोवेशन की समीक्षा और प्रतिउत्तर जरूरी है. यह सपोर्ट सिस्टम की तरह काम करती है. ऐसे में डाटा शेयरिंग ही विकास की गति को बढ़ावा दे सकती है. वहीं, कृष दास ने एआइ को बढ़ावा देते हुए उस क्षेत्र में बेहतर प्रयास करने की संभावनाओं पर अपने विचार रखे. मौके पर प्रो पीके बाला, प्रो असित महापात्रा, दीपा दास समेत कई पूर्ववर्ती छात्र मौजूद थे.

Prabhat Khabar, 01.11.2019, Pg. 23